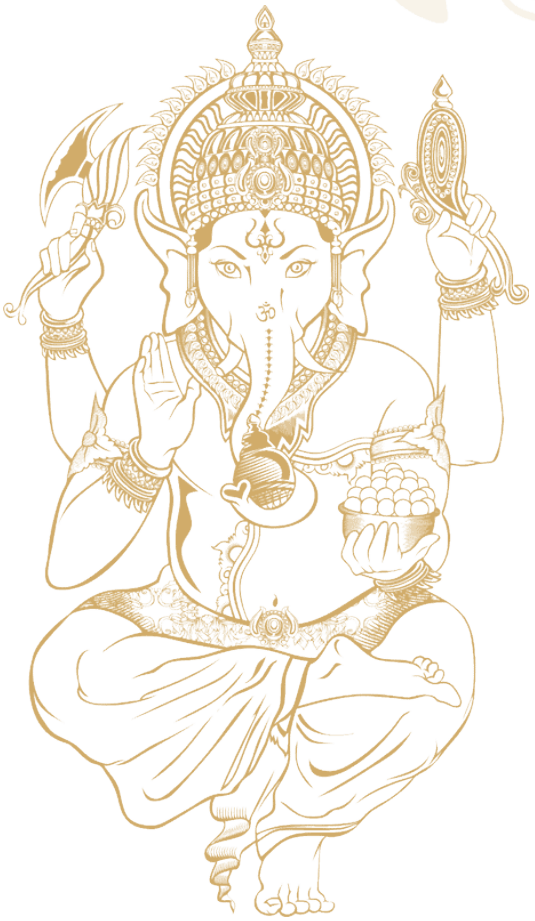

Tanjeem

21 Jan 2026

03:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121400702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:00:06 घंटे**
इष्ट	19:24:54 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:38:58 घंटे
वेलान्तर	-00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल	22:42:01 घंटे
सूर्योदय	07:14:08 घंटे
सूर्यास्त	17:51:02 घंटे
दिनमान	10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:07:27 मकर
लग्न के अंश	00:23:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:23:37	339:54:48	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मक	07:07:27	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	07:13:29	12:58:52	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:13:36	00:46:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	06:57:02	01:40:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:25:09	00:07:43	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	10:38:14	01:15:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:26:03	00:05:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:07:37	00:01:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:07:37	00:01:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:07	00:00:43	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:38:52	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:08:06	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:40:48	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

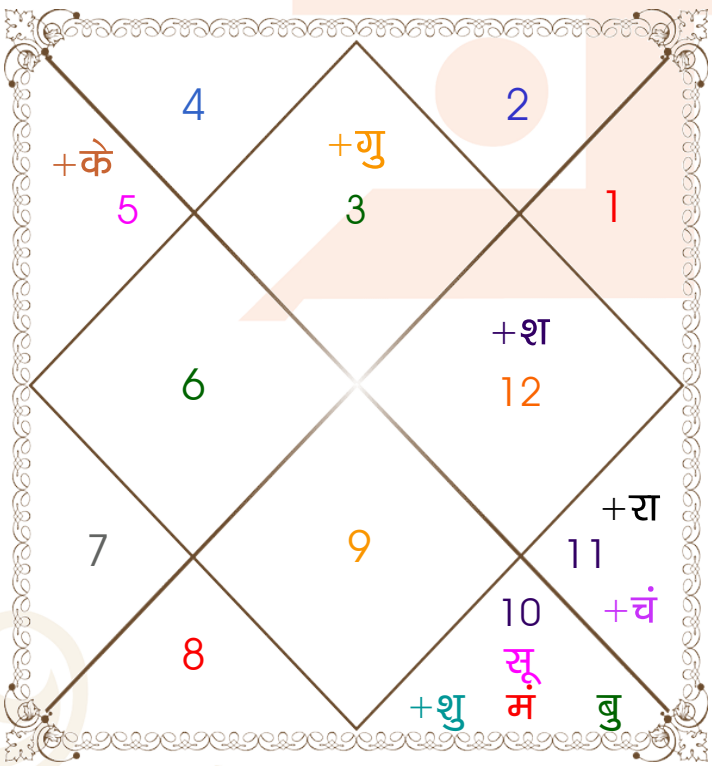

चन्द्र कुंडली

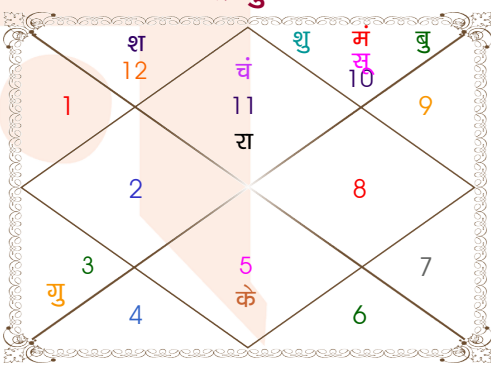

नवमांश कुंडली

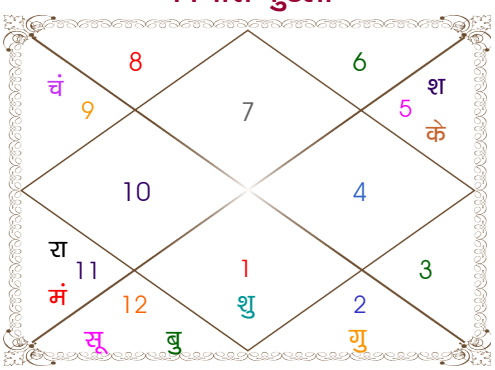

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 2 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/01/2026		21/04/2043		21/04/2059		21/04/2078		21/04/2095	
21/04/2043		21/04/2059		21/04/2078		21/04/2095		22/04/2102	
राहु	02/01/2028	गुरु	09/06/2045	शनि	24/04/2062	बुध	17/09/2080	केतु	18/09/2095
गुरु	28/05/2030	शनि	21/12/2047	बुध	01/01/2065	केतु	14/09/2081	शुक्र	17/11/2096
शनि	03/04/2033	बुध	28/03/2050	केतु	10/02/2066	शुक्र	15/07/2084	सूर्य	25/03/2097
बुध	21/10/2035	केतु	04/03/2051	शुक्र	12/04/2069	सूर्य	21/05/2085	चंद्र	24/10/2097
केतु	08/11/2036	शुक्र	02/11/2053	सूर्य	25/03/2070	चंद्र	21/10/2086	मंगल	22/03/2098
शुक्र	08/11/2039	सूर्य	21/08/2054	चंद्र	24/10/2071	मंगल	18/10/2087	राहु	09/04/2099
सूर्य	02/10/2040	चंद्र	21/12/2055	मंगल	02/12/2072	राहु	06/05/2090	गुरु	16/03/2100
चंद्र	03/04/2042	मंगल	26/11/2056	राहु	09/10/2075	गुरु	11/08/2092	शनि	25/04/2101
मंगल	21/04/2043	राहु	21/04/2059	गुरु	21/04/2078	शनि	21/04/2095	बुध	22/04/2102

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/04/2102		22/04/2122		22/04/2128		22/04/2138		22/04/2145	
22/04/2122		22/04/2128		22/04/2138		22/04/2145		00/00/0000	
शुक्र	22/08/2105	सूर्य	10/08/2122	चंद्र	20/02/2129	मंगल	18/09/2138	राहु	22/01/2146
सूर्य	22/08/2106	चंद्र	08/02/2123	मंगल	21/09/2129	राहु	07/10/2139		00/00/0000
चंद्र	22/04/2108	मंगल	16/06/2123	राहु	23/03/2131	गुरु	12/09/2140		00/00/0000
मंगल	22/06/2109	राहु	10/05/2124	गुरु	22/07/2132	शनि	22/10/2141		00/00/0000
राहु	22/06/2112	गुरु	26/02/2125	शनि	20/02/2134	बुध	19/10/2142		00/00/0000
गुरु	21/02/2115	शनि	08/02/2126	बुध	23/07/2135	केतु	17/03/2143		00/00/0000
शनि	22/04/2118	बुध	16/12/2126	केतु	21/02/2136	शुक्र	16/05/2144		00/00/0000
बुध	20/02/2121	केतु	22/04/2127	शुक्र	22/10/2137	सूर्य	21/09/2144		00/00/0000
केतु	22/04/2122	शुक्र	22/04/2128	सूर्य	22/04/2138	चंद्र	22/04/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।